तीनदविसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

18 दसिंबर, 2022 को झारखंड के राँची के सलि्ली में तीनदविसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत हुई, जसिका उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस द्वारा कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- 'गूंज महोत्सव'के उद्घाटन से पहले राज्यपाल रमेश बैस ने राँची के सलि्ली कॉलेज में उच्चस्तरीय लाइब्रेरी और स्टडी सेंटर का ऑनलाइन शुभारंभ कयिा। स्टडी सेंटर का संचालन झारखंड स्टेट ओपेन यूनविर्सटी द्वारा कयिा जाएगा।
- 'गूंज महोत्सव'में एक साथ 5001 कलाकारों ने 'छऊ नृत्य कार्नवािल'और 1500 युवाओं ने सांस्कृतकि प्रदर्शन कयिा।
- इस अवसर पर गूंज महोत्सव के संरक्षक सह वधियक सुदेश कुमार महतो ने बताया कि झारखंडी संस्कृति एवं परंपरा की वरिासत का जतन करने की कोशशिों के साथ शुरू गूंज महोत्सव ने अपने यादगार सफर के साथ क्षेत्र के वकिास और समाज के सशक्तीकरण में नरि्णायक भूमिका अदा की है। इसके दारोमदार गूंज परवािर से 74 हज़ार परवािर जुड़े है।
- समारोह में शामलि इंडयिा बुक ऑफ रकिॉर्ड्स के सुब्रतो दास ने छऊ नृत्य को पारंपरकि नृत्य के तौर पर इस रकिॉर्ड्स में शामलि करने की घोषणा की, इसके साथ ही उन्होंने सुदेश कुमार महतो को रकिॉर्ड्स से जुड़ा मेडल पहनाया।
- गूंज महोत्सव के आयोजन स्थल सलि्ली स्टेडयिम में ग्रामीण परविश की थीम पर सलि्ली हाट का नरि्माण कयिा गया है। इस हाट में लगभग 100 स्टॉल लगाए गए हैं। एसएचजी से जुड़ी महलिाओं ने भी कई स्टॉल लगाए हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/three-day-goonj-mahotsav